रोपण

वर्षाकाल में रोपण करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। रोपण 4मी0 X 5मी0 की स्पेसिंग पर उपयुक्त होता है।

समयबद्ध कार्यक्रम

क्र.स.	कार्य	वर्ष	माह
	वर्धी प्रवर्धन		
1	स्वस्थ पौधों का चयन	–	कभी भी
2	स्वस्थ पौधों से कटिंग प्राप्त करना/लगाना	प्रथम वर्ष	फरवरी द्वितीय सप्ताह
3	रूटेड कटिंग का रूट–ट्रेनरों /पॉलीथीन में प्रत्यारोण	प्रथम वर्ष	जुलाई
4	पौध का रखरखाव	द्वितीय वर्ष	–
5	रोपण	तृतीय वर्ष	जुलाई
	बीज द्वारा पौध तैयार करना		
1	स्वस्थ व रोगमुक्त पौधों से बीज एकत्रीकरण	प्रथम वर्ष	नवम्बर–दिसम्बर
2	मिस्ट चैम्बर में बीज बुआई	प्रथम वर्ष	मार्च
3	अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण	प्रथम वर्ष	जुलाई
4	पौध का रखरखाव	प्रथम व द्वितीय वर्ष	–
5	रोपण कार्य	तृतीय वर्ष	जुलाई

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें:

1– मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान
मो0– 9412076135, 05946–234047
2– वन संरक्षक , अनुसंधान वृत्त हल्द्वानी
मो0 9458192126, 0596–235136
3– वन वर्धनिक, पर्वतीय, उत्तराखण्ड, नैनीताल
मो0 09458192184, 05942–236270

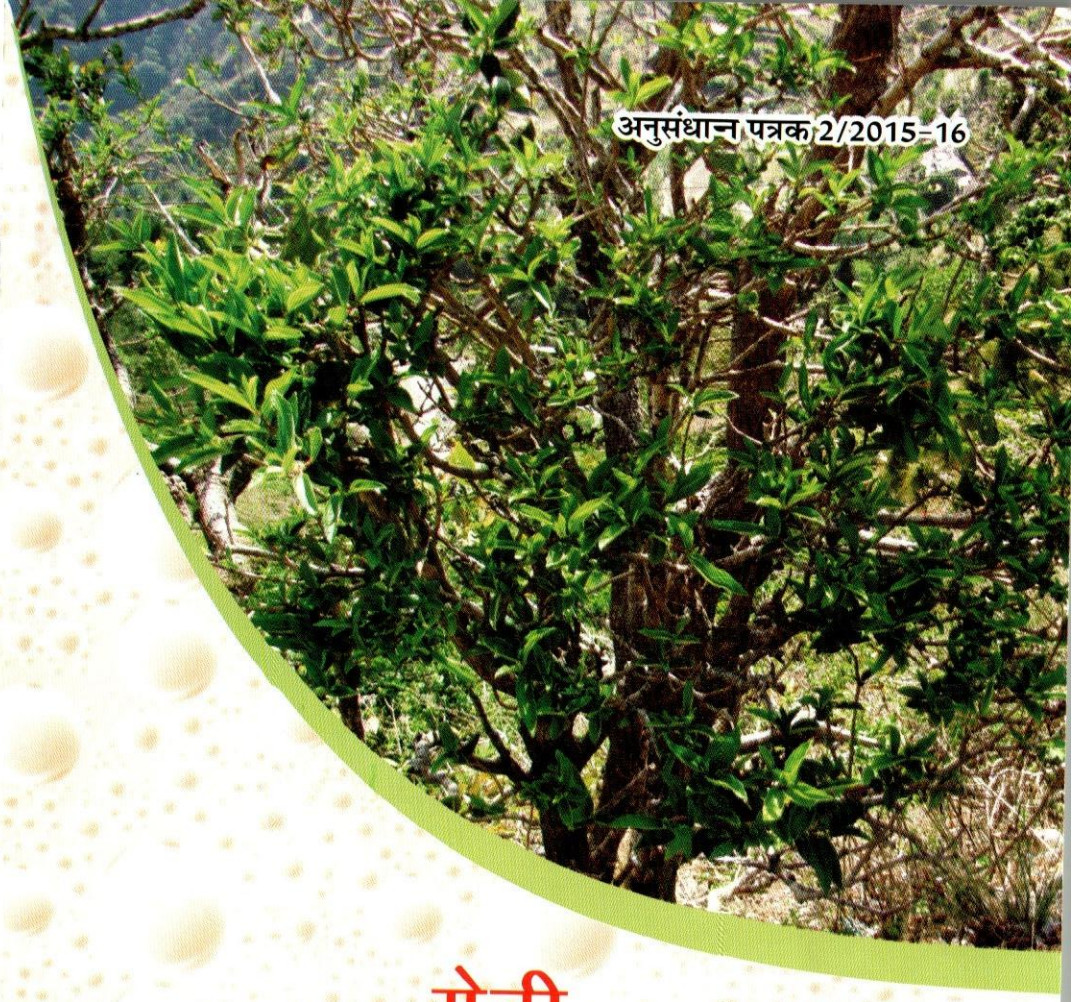

अनुसंधान पत्रक 2/2015-16

गेठी
(Boehmeria rugulosa)

पौध उत्पादन प्राविधि

वन वर्धनिक, उत्तराखण्ड, नैनीताल
उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान संस्थान, हल्द्वानी
वन विभाग, उत्तराखण्ड

गेठी
(Boehmeria rugulosa)

परिचय

गेठी एक सदाबहार वृक्ष है जिसकी ऊँचाई लगभग 4.50 मी0 तक होती है। यह पहाड़ी क्षेत्रों में समुद्र तल से 450 मी0 से 1700 मी0 ऊँचाई तक पाया जाता है। इसमें पुष्पण माह जुलाई–सितम्बर तथा फलत अक्टूबर से जनवरी में होती है। यह स्थानीय निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण चारा प्रजाति है। काष्ठ से बर्तन बनाये जाते हैं जो मुख्यतः दूध रखने तथा अन्य कार्य के लिए उपयोग में लाये जाते हैं।

प्रवर्धन प्राविधि

गेठी का प्रवर्धन बीज तथा कटिंग द्वारा किया जा संकता है। बीज द्वारा इसका प्रवर्धन सरलता से किया जा सकता है।

वर्धी प्रवर्धन (कटिंग द्वारा पौध तैयार करना)

- स्वस्थ्य पौधों का चयन करें एवं फरवरी के द्वितीय एवं जुलाई के प्रथम सप्ताह में शाखाओं से 10–15 सेमी0 लम्बी कटिंग तैयार करें।
- शाखाओं के अग्र भाग से प्राप्त कटिंग को आई0बी0ए0 4000 पी0पी0एम0 से उपचारित कर मिस्ट चैम्बर में वर्मीकुलाईट माध्यम में रोपित करें।
- शाखाओं के अग्र भाग से प्राप्त कटिंग में लगभग 70 प्रतिशत पौधों में रूटिंग प्राप्त होती है।

- शाखाओं के मध्य भाग से प्राप्त कटिंग में लगभग 35–40 प्रतिशत पौधों में रूटिंग प्राप्त होती है।
- जड़ युक्त पौधों का प्रत्यारोपण 300सी0सी0 के रुट–ट्रेनर अथवा 9''x 6'' के पॉलीबैग में मिट्टी व वर्मीकम्पोस्ट (2:1) मीडियम में करते हैं।

बीज द्वारा पौध तैयार करना

उच्च गुणवत्ता के परिपक्व बीज स्वस्थ व रोग मुक्त पौधों से माह जनवरी में एकत्र करते हैं। एकत्रित बीज को साफ कर सुखाकर भंडारित करते हैं। गेठी का बीज बहुत बारीक होता है। माह मार्च के द्वितीय सप्ताह में बीज को मिस्टचैम्बर के अन्दर जर्मिनेशन ट्रे में वर्मीकुलाईट में बुआई करते हैं। लगभग 3 सप्ताह में बीज में अंकुरण प्रारम्भ हो जाता है तथा इस विधि से लगभग 300–470 पौधे प्रति ग्राम अंकुरण 60–65 दिनों में प्राप्त होता है।

पौध प्रत्यारोपण

अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण जुलाई में किया जाना चाहिए, जब उसमें कम से कम 3–4 पत्तियॉ आ जाय। प्रत्यारोपण हेतु पौधों को जर्मीनेशन ट्रे से सावधानीपूर्वक निकालना चाहिए तथा प्रत्यारोपण के समय पौधे को कालर के बजाय पत्ते से पकड़ना चाहिए। प्रत्यारोपण 300सी0सी0 के रूट–ट्रेनर अथवा 9''x 6'' के पॉलीबैग में शेड हाउस में करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। पॉटिंग मीडियम मिट्टी+वर्मीकम्पोस्ट (2:1) उपयुक्त पाया गया है। अगले वर्ष फरवरी–मार्च में पौधों को खुले स्थान पर रखना चाहिए तथा नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए। लगभग 18–20 माह में बीज द्वारा उगाये गये पौध रोपण हेतु तैयार हो जाते हैं।